श्री सोमनाथेश्वर समाचार

श्री सोमनाथेश्वर सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण जागरूकता, धार्मिक, योग एवं आध्यात्मिक चेतना ग्रुप द्वारा संचालित त्रैमासिक ई-पत्रिका

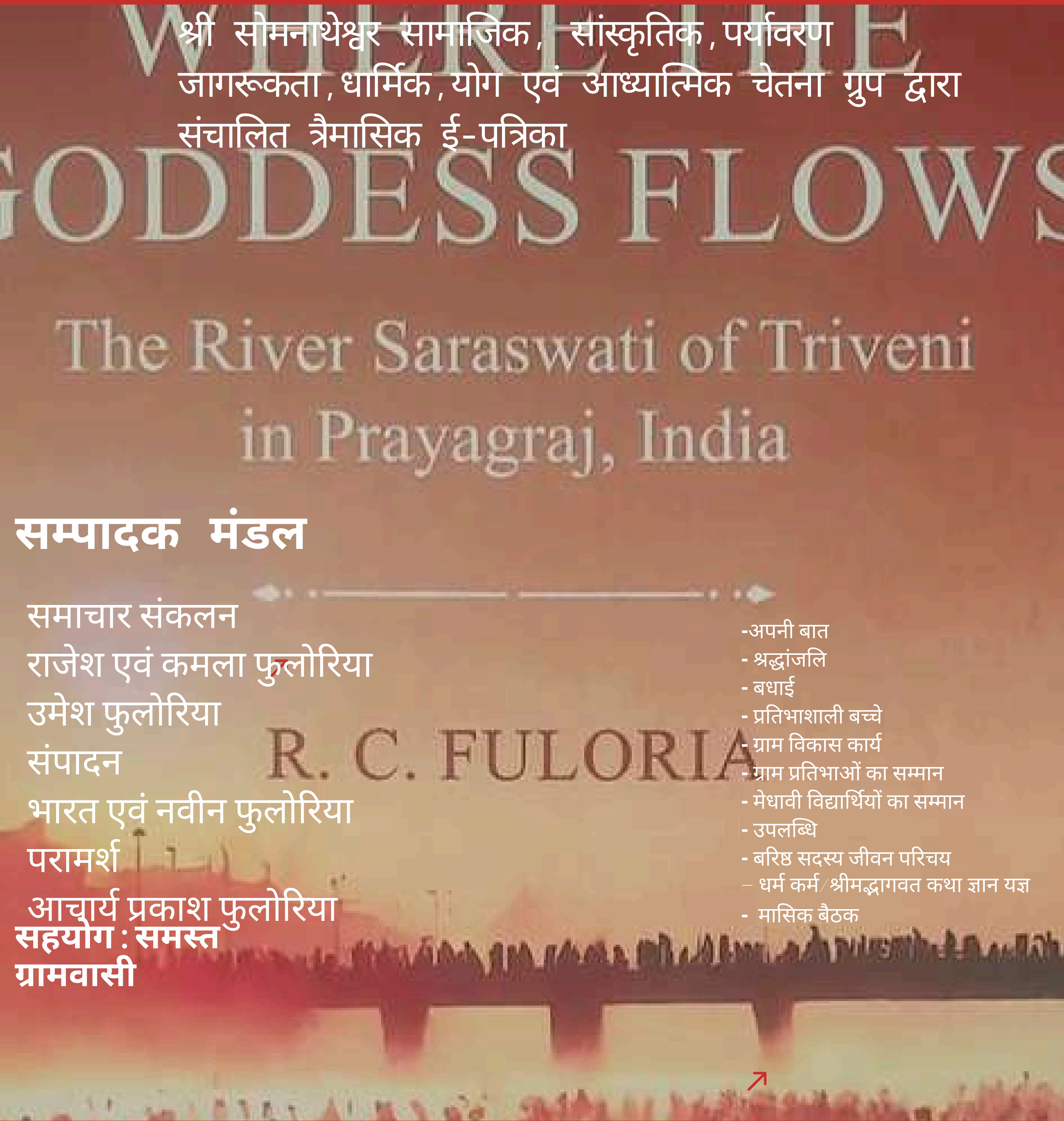

सम्पादक मंडल

समाचार संकलन
राजेश एवं कमला फुलोरिया
उमेश फुलोरिया
संपादन
भारत एवं नवीन फुलोरिया
परामर्श
आचार्य प्रकाश फुलोरिया

सहयोग : समस्त ग्रामवासी

-अपनी बात
- श्रद्धांजलि
- बधाई
- प्रतिभाशाली बच्चे
- ग्राम विकास कार्य
- ग्राम प्रतिभाओं का सम्मान
- मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान
- उपलब्धि
- बरिष्ठ सदस्य जीवन परिचय
– धर्म कर्म/श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ
- मासिक बैठक

अप्रैल - जून 2026
WWW.SHREESOMNATHESHWAR.ORG

अपनी बात

श्रीसोमनाथेश्वर समाचार का दसवां अंक (अप्रैल- जून 2026) आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए आप सभी ग्राम वासियों, प्रवासियों और परिजनों को नमस्कार। अप्रैल-जून का समय होता है बिभिन्न परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित होने का। यह बहुत हर्ष का विषय है कि हमेशा की तरह इस वर्ष भी गांव एवं प्रवासी बच्चों ने हाईस्कूल की परीक्षा में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन बच्चों ने 90% से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। उत्तीर्ण हुए सभी बच्चों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

इस वर्ष का ग्रीष्मोत्सव प्रथम बार श्री सोमनाथेश्वर मंदिर के प्रांगण में राम दरवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह और श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ के साथ ही सम्पन्न हुआ।10-17जून तक भक्ति मय आनन्द की गंगा बही। पहली बार ब्यास रुप में अपने ही ग्राम के श्री प्रदीप (भोला) जी ने अपनी टीम के साथ चतुर्वेदों और भगवद् कथा का वाचन किया जिसका आनंद आस-पास की पूरी जनता और ग्राम वासियों ने उठाया।

इस अंक में हम हमारे गांव के सबसे वरिष्ठ सदस्य डा. रमेश चन्द्र फुलोरिया जी का परिचय प्रकाशित कर रहे हैं। जो उनके घर पर उनके साथ बिताए गये कुछ पलों में हुई बात चीत पर आधारित है । उनके साथ बातचीत से हमें 80-85 वर्ष पूर्व गांव व देश के उस काल खंड में जीने का अनुभव हुआ। चाचा जी ने अपने उम्र के नौ दशक एक कर्मयोगी की तरह स्वस्थ जीवन जीते हुए बिताए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे शतायु हों और हम लोगों का मार्गदर्शन करते रहें।इस अंक का मुखपृष्ठ उनकी हाल ही में प्रकाशित पुस्तिका "Where the goddess flows" से उद्धृत किया गया है।इस पुस्तिका में त्रिवेणी संगम में लुप्त सरस्वती के बैज्ञानिक साक्ष दिए गए हैं।

हमारे गांव के कुछ सदस्य श्रीमती विद्या फुलोरिया और हरगोविंद फुलोरिया हमारे बीच नहीं रहे और परम पिता के परम धाम को प्रस्थान कर गये। दिवंगत आत्माओं को हमारी ओर से विनम्र श्रद्धांजलि और उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं ।

भारत एवं नवीन फुलोरिया

श्रद्धांजलि

विद्या फुलोरिया पत्नी श्री किशोर चन्द्र फुलोरिया फुलोरिया का देहावसान दिं 5 जून 2026 को रामनगर में हुआ। शोक संतप्त परिवार को श्री सोमनाथेश्वर परिवार की ओर से हार्दिक सांत्वना और दिवंगत आत्मा को सादर श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि

10.05.1953 22.06.2026

हर गोविंद पुत्र स्व. रामदत्त फुलोरिया का निधन
दिं 22 .06.2026 को 73 वर्ष की आयु में दिल्
ली में हुआ। स्व. हरगोविंद जी अपने पीछे शोकाकुल पत्नी,
एक पुत्र व एक पुत्री छोड़ कर गये हैं।
श्रीसोमनाथेश्वर परिवार की ओर से दिवंगत पुण्यात्मा
को भाव भीनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

बधाई

सौ. गायत्री पुत्री श्रीमती कमला एवं श्री भारत नन्दन फुलोरिया का शुभ विवाह 11मई 2026 को हल्द्वानी निवासी चिरंजीवी चेतन के साथ आदिग्राम फुलोरिया में सम्पन्न हुआ। नव वर वधू को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।भारत भाई एवं समस्त परिवार को बहुत-बहुत बधाई।

बधाई

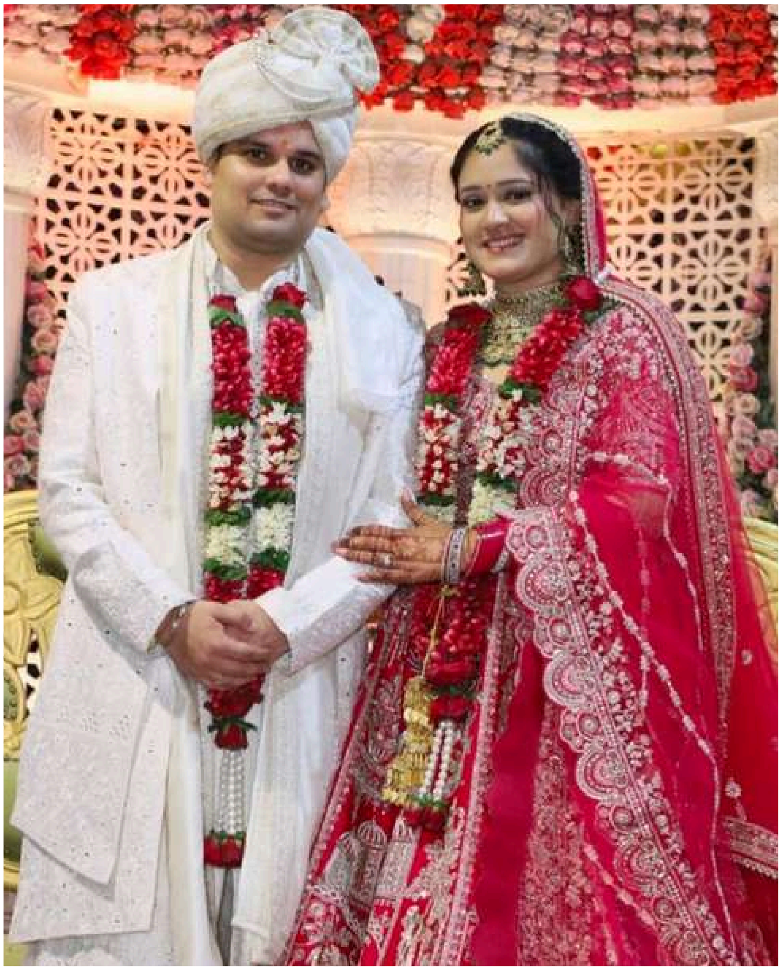

श्रीमती मंजू एवं भुवन शर्मा के पुत्र एवं श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा (पप्पू भाई) के भतीजे चिरंजीवी जयेश का शुभ विवाह सौ. अक्षिता पुत्री श्रीमती कंचन एवं अरूण कुलश्रेष्ठ के साथ 24 जून 2026 को दिल्ली में सम्पन्न हुआ। नव वर वधू को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। चन्द्र प्रकाश शर्मा जी एवं समस्त परिवार को बहुत-बहुत बधाई।

बधाई

26 अप्रैल 2026 को श्रीसोमनाथेश्वर समिति के संस्थापक सदस्य श्री प्रदीप (भोला) फुलोरिया एवं दीक्षा फुलोरिया को दिल्ली में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। श्री प्रदीप -दीक्षा एवं दोनों परिवारों को बहुत-बहुत बधाई और नवजात शिशु को आशीर्वाद।

बधाई

20 अप्रैल 2026 को चिरंजीव आयुष पुत्र श्री हेम फुलोरिया चिरंजीव प्रत्यक्ष पुत्र श्री प्रकाश फुलोरिया का यज्ञोपवीत संस्कार आदिग्राम फुलोरिया में सम्पन्न हुआ। दोनों परिवारों को बहुत-बहुत बधाई और नवबटुकों को शुभआशीर्वाद।

प्रतिभाशाली बच्चे-1

चिरंजीव पार्थ पुत्र श्री पवन फुलोरिया ने सीबीएसई द्वारा आयोजित दसवीं की परीक्षा में डी एल डी ए वी मिशन स्कूल पीतमपुरा , दिल्ली से 96.2% अंक प्राप्त किए। चि. पार्थ , माता पिता एवं समस्त परिवार को इस उपलब्धि के लिए बहुत बहुत बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं

चिरंजीव दिव्यांश पुत्र श्रीमती अंशु एवं कपिल फुलोरिया ने सीबीएसई द्वारा आयोजित दसवीं की परीक्षा में ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल पीरुमदारा, रामनगर से 94.2% अंक प्राप्त किए।चि.दिव्यांश , माता पिता एवं समस्त परिवार को इस उपलब्धि के लिए बहुत बहुत बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं

चिरंजीव पीयूष पुत्र श्रीमती कमला एवं श्री राजेश फुलोरिया ने सीबीएसई द्वारा आयोजित दसवीं की परीक्षा में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज, मासी से 92.6% अंक प्राप्त किए। चि. पीयूष, माता पिता एवं समस्त परिवार को इस उपलब्धि के लिए बहुत बहुत बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं

प्रतिभाशाली बच्चे -2

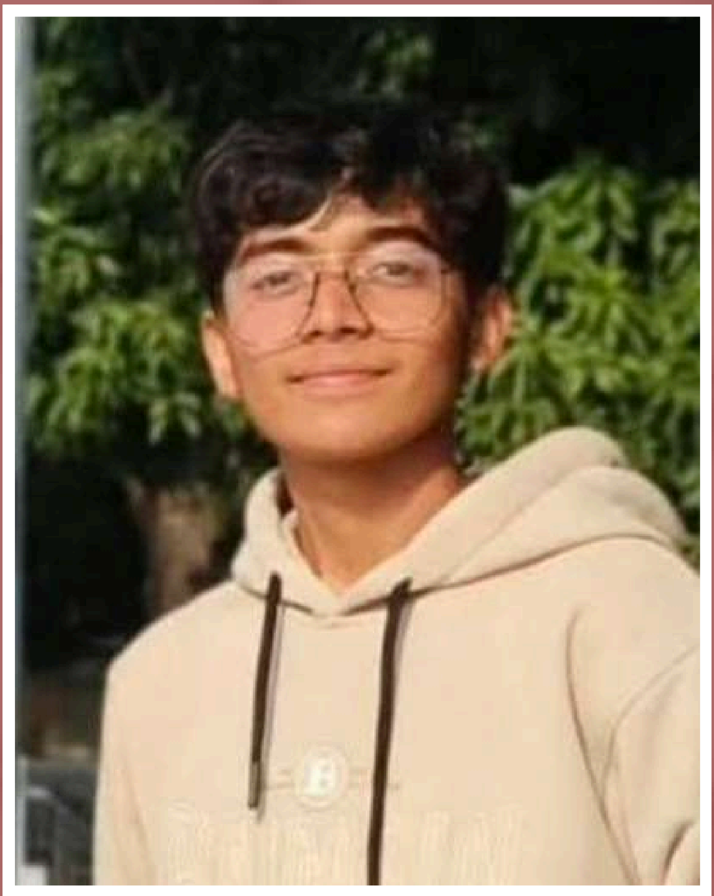

श्रीमती रजनी पपनोई के सुपुत्र चिरंजीवी वेदांत पपनोई ने माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित बारहवीं की परीक्षा में राजकीय इंटर कॉलेज देघाट से 96.2 % अंक प्राप्त कर प्रदेश में छठा तथा अल्मोड़ा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है. दोनों परिवारों को बहुत-बहुत बधाई और चि.वेदांत को उज्जवल भविष्य के बहुत बहुत आशीर्वाद और शुभकामनाएं । पूर्व ग्राम प्रधान श्रीमती मुन्नी देवी और चन्द्र प्रकाश,वेदांत के नानी नाना हैं।

चिरंजीवी कु. पावनी जोशी पुत्री श्रीमती पारुल एवं राहुल जोशी (पुत्र श्री भैरव दत्त जोशी, लखनऊ) ने CBSE द्वारा आयोजित बारहवीं बोर्ड परीक्षा कोटा (राजस्थान) से 92.7% अंकों से उत्तीर्ण की है। पावनी, उसके माता-पिता और समस्त परिवार को बहुत बहुत बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं

ग्राम विकास कार्य

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्राम प्रधान के प्रयास से आदिग्राम फुलोरिया में एक आधुनिक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया है इस सुविधा के शुरू होने से ग्रामीणों और गांव में आने जाने वाले आगंतुकों को स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की सुविधा उपलब्ध रहेगी

पंचायत घर के लगी हुई सड़क किनारे की जमीन श्री शिव चरण, नन्द किशोर, रमेश चन्द्र, दिनेश चंद्र एवं दीपा पत्नी स्व. नवीन द्वारा अपने पिता स्व. बाला (बिशन) दत्त सुरोलिया की स्मृति में ग्राम पंचायत को दान में प्रदान की। इस पुण्य कार्य के लिए सभी भाई धन्यवाद के पात्र हैं

ग्राम की प्रतिभाओं का उत्साह वर्धन

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री सोमनाथेश्वर समिति के तत्वावधान में गांव के विभिन्न कक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

कक्षा 6- विवेक, भक्ति
कक्षा-8- हार्दिक,प्रत्यक्ष, वैभव
कक्षा -9- कोमल , दिया
कक्षा -10 - पीयूष
कक्षा -11 - ज्योति , दिया (दीप्ति)
कक्षा-12 - सुमन, भूमिका

उपर्युक्त विद्यार्थियों में से पांच कोमल , हर्षिता , भूमिका, दिया और पीयूष को विशेष शैक्षिक उपलब्धि के लिए श्रीमती वत्सला पुत्री स्व. तारादत्त जी द्वारा विशेष प्रोत्साहन राशि से उत्साह वर्धन किया गया। चित्र में वत्सला जी अपने पति एवं पुत्री के साथ।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

उपलब्धि

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा की बेटी मनीषा फुलोरिया पांडे को श्रीलंका में आयोजित एशिया केक ऑस्कर वर्ड एडिशन 2026 अवार्ड में बस्ट एंड स्कल्पटेड केक कैटेगरी के लिए प्रतिष्ठित केक ऑस्कर अवार्ड से नवाजा गया है। उन्होंने उत्तराखंड और देश का नाम रोशन किया है।

मनीषा फुलोरिया पांडे त्यूनरा मोहल्ला निवासी सुनीता पांडे की पुत्रवधू हैं। वह वर्तमान में इंदिरापुरम, गाजियाबाद में निवास करती हैं। पेशे से वह एक मल्टीनेशनल कंपनी में नेटवर्क इंजीनियर रह चुकी हैं लेकिन वर्ष 2021 में उन्होंने अपने जुनून को अपनाते हुए होम बेकिंग को अपना

श्रीलंका में अवार्ड लेतीं अल्मोड़ा की मनीषा फुलोरिया पांडे। स्रोत : स्वयं

और दिल्ली-एनसीआर के टॉप 25 होम बेकर्स के सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। मनीषा ने कसारदेवी अल्मोड़ा स्थित हिमालयन हॉबिट हाउस कैफे की को-ओनर भी हैं।

वरिष्ठ सदस्य -जीवन परिचय-6

मेरा जन्म आदिग्राम फुलोरिया में पं रामदत्त एवं कौशल्या फुलोरिया के घर में सन् 1936में हुआ। मुझसे छह वर्ष बड़ी बहन मोहिनी तथा एक और दो वर्ष बड़ी बहन थी जिसकी अल्पायु में ही मृत्यु हो गई थी जिसकी मुझे याद नहीं है। मेरे पश्चात मेरी दो बहिनें और तीन भाई पैदा हुए । मेरे पिता जी शिक्षक थे और मासी प्राइमरी स्कूल में प्रधान अध्यापक के पद पर पदस्थ थे।

डा.रमेश चन्द्र फुलोरिया

सन् 1941 में 5 वर्ष की आयु में मैंने मासी प्राइमरी स्कूल से पहली कक्षा पास की। सन् 1942 में अंग्रजों के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन शुरु हो गया। चूंकि हमारा गांव शुरू से ही स्वाधीनता आंदोलन में मुखर रहा और गांव के कई व्यक्ति आंदोलन में शामिल थे, अतः पिता जी को एहतियातन घर से दूर शीतलाखेत में स्थानांतरित कर दिया गया जहां एक ओर जाने में पैदल दो दिन का समय लगता था। कक्षा 2 और 3 मैंने शीतलखेत में पढ़ा। 1944 में पिता जी का तबादला रानीखेत - खैरना मार्ग में स्थित जैनोली स्कूल में हो गया। मैं कक्षा 4 की परीक्षा भी नहीं दे पाया उससे पहले पिता जी का तबादला स्याल्दे स्कूल में हो गया। कक्षा 4 और 5 की पढ़ाई मैंने स्याल्दे से पूरी की। सन्1946 में मासी में मिडिल स्कूल खुल गया था। हमारे गांव के श्री बालादत्त जी वहां पर प्रधानाध्यापक थे।

सन् 1947 में जब देश आजाद हुआ,उसी वर्ष मैंने मिडिल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।उन दिनों सातवीं कक्षा तक मिडिल कहलाता था। मुझे अभी भी अच्छी तरह याद है कि 15 अगस्त 1947, प्रथम स्वाधीनता दिवस पर हम गांव के सभी बच्चे अपने और पड़ोसी गांव कनौ़ड़ियां में प्रभातफेरी में घर घर घूमे थे।

वरिष्ठ सदस्य -जीवन परिचय-6

डा.रमेश चन्द्र फुलोरिया और उनकी पुत्रवधू निधि के साथ सोमनाथेश्वर समिति के सदस्य

आगे की पढ़ाई के लिए राजकीय इंटर कालेज अल्मोड़ा में आठवीं कक्षा में प्रवेश लिया।आवास की व्यवस्था छात्रावास में थी।उन दिनों में ऐसी व्यवस्था थी कि यदि मिडिल स्कूल हिन्दी माध्यम से पास किया है तो आठवीं में दो बार पढ़ना पड़ता था।इस तरह 1951 में हाईस्कूल पास किया। इंटर के लिए जब विषय चुनना था तो मैंने जीव विज्ञान चुना डॉक्टर बनने के इरादे से लेकिन जब पहले ही दिन जीव विज्ञान के प्रैक्टिकल में डिसैक्शन ट्रे से पिन किया हुआ मैंढक ट्रे से उछल कर बाहर आ गया तो डर कर घबरा गया और मैंने जीव विज्ञान पढ़ने का इरादा छोड़ कर गणित विषय का चुनाव किया।

उस समय हमारे ही परिवार के स्व देवी दत्त फुलोरिया रिटायर्ड प्रिंसिपल वहां पर गणित विषय के अध्यापक थे।उन दिनों इंटर कॉलेज में बहुत अच्छे-अच्छे अध्यापक थे और पढ़ाई-लिखाई का बड़ा अच्छा माहौल था। मेरे सहपाठियों में श्री एस के जोशी, रिटायर्ड महानिदेशक,सी एस आई आर,स्व बिपिन चंद्र जोशी पूर्व थलसेना प्रमुख थे।और भी कई सहपाठियों ने विभिन्न क्षेत्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया। मेरे कुछ खिलाड़ी साथियों ने मन में डर बैठा दिया था कि इंटर पास करना इतना आसान नहीं है लेकिन जब मैंने सन् 1953 में अल्मोड़ा से द्वितीय श्रेणी में इंटर साइंस से पास किया तो एक अलग ही खुशी का अनुभव हुआ और आगे की पढ़ाई के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय में जाने का फैसला लिया ।

मैं पिता जी के साथ बी एससी में प्रवेश के लिए इलाहाबाद के लिए निकला लेकिन प्रवेश करीब करीब समाप्त हो चुके थे क्योंकि हम लोग देर से पहुंचे थे।अति उत्साह में मार्कशीट और टी सी भी ले जाना भूल गये। उसके बाद मैं लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश की आशा से लखनऊ आया लेकिन समस्या वही मार्कशीट और टी सी की थी। पिता जी वापस लौट आए और देवी दत्त प्रिंसिपल साहब को चिट्ठी लिखकर जरुरी कागजात पोस्ट से मंगाये और अनेक प्रयास के बाद बड़ी कठिनाई से एक महिना देरी से बी एससी में प्रवेश लिया।

वरिष्ठ सदस्य -जीवन परिचय-6

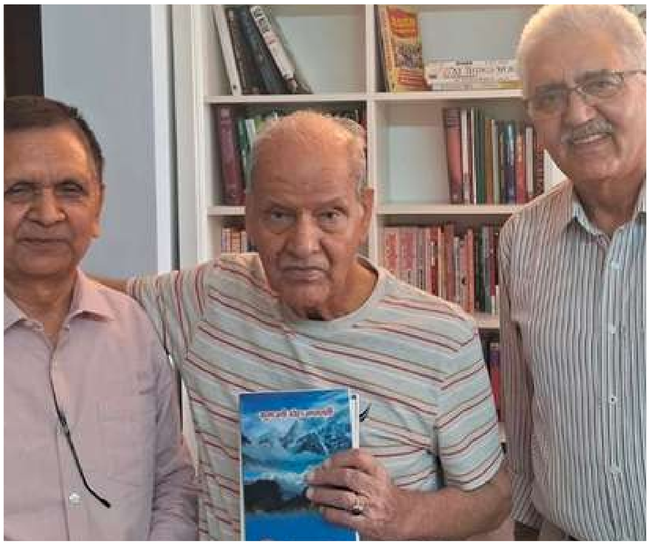

डा.रमेश चन्द्र फुलोरिया के साथ वार्तालाप

मैं एक महिना प्रवेश लेने में लेट होने के कारण पढ़ाई में भी पीछे हो गया था।बी एससी में मैंने गणित,भौतिक विज्ञान और भू-विज्ञान विषयों का चयन किया। ऐसी परिस्थिति में श्री खड्ग सिंह वल्दिया, प्रसिद्ध भू-विज्ञानी जो मेरे सहपाठी रहे,ने मुझे काफी सहायता की। लखनऊ विश्वविद्यालय में मैं सुभाष छात्रावास में रहता था और खेल कूद में भी काफी सक्रिय रहा। मुझे याद है वह दिन जब मैंने कोई रेस जीती थी और अगले दिन नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र में उसका जिक्र था।सन्1955 में फाइनल परीक्षा में मुझे खसरा हो गया था उसी परिस्थिति में किसी तरह परीक्षा में बैठा और द्वितीय क्षेणी में परीक्षा पास की।

सन् 1957 में मैंने एम एस सी भू-विज्ञान की परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की और अपने गुरु प्रोफेसर मिश्रा के मार्गदर्शन में पीएच डी हेतु शोध कार्य आरंभ किया तथा रोजगार कार्यालय में भी अपना नाम रजिस्टर करवाया।कुछ दिनों उपरांत समाचारपत्र में निकले एक विज्ञापन के आधार पर मैं ने भोपाल के एक प्रमुख कालेज में प्रवक्ता के पद के लिए आवेदन किया और मुझे उस पर चुन लिया गया। मैंने 5 सितंबर 1957 को भोपाल में ज्वाइन किया। वहां पर करीब छः महीने काम करने के बाद रोजगार कार्यालय में पंजीयन के आधार पर ओ एन जी सी में वरिष्ठ तकनीकी सहायक पद के लिए साक्षात्कार के लिए अप्रैल 1958 में देहरादून बुलाया गया था ।चयन के बाद 5 मई 1958 को मैंने ओ एन जी सी देहरादून में पदस्थ होकर आसाम स्थानांतरित हो गया।।
आसाम पदस्थापना के समय ही मैंने भारतीय भू वैज्ञानिक संस्थान में कनिष्ठ भूवैज्ञानिक के पद के लिए साक्षात्कार दिया क्योंकि यह केन्द्र सरकार में क्लास 1 पद है। लेकिन इसी बीच ओ एन जी सी में भी मेरा प्रमोशन हो गया था इसलिए मैंने मैंने ओ एन जी सी में ही काम करने का निर्णय लिया।

ओ एन जी सी में कुछ समय के लिए मेरी पोस्टिंग होशियारपुर, पंजाब में हुई। वहां पर ओ एन जी सी का तेल के लिए गवेषण कार्य चल रहा था। 29 फरवरी 1961को मेरा विवाह हुआ।दूरी के कारण बारात में गांव से केवल आठ-दस लोग ही जा पाये।

वरिष्ठ सदस्य -जीवन परिचय-6

डा.रमेश चन्द्र फुलोरिया के साथ वार्तालाप

ससुराल पक्ष ने कहा कि बाराती बहुत कम हैं तो अपने होशियारपुर आफिस के सभी कर्मचारियों को निमंत्रित कर लिया और इस तरह 50-60 लोग आठ- दस गाड़ियों में बाराती बन कर पहुंचे।

नवम्बर 1961 में समाचार पत्र में प्रकाशित एक विज्ञापन में भारत-रुस तकनीकी एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत रुस में एक वर्षीय उच्च शिक्षा के लिए आवेदन मांगे गए थे। मैंने भी आवेदन कर दिया। शास्त्री भवन में साक्षात्कार हुआ जिसमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री स्व. मौलाना आजाद भी शामिल थे। मेरा चयन इस एक वर्षीय कार्यक्रम के लिए हो गया ।मेरा विचार था कि क्यों न मैं पी एच डी के लिए शोध कार्य रूस में ही करूं। अतः मैंने एक वर्ष की स्टडी लीव और चार महीनों की छुट्टी ले ली। प्रथम सात आठ महिना रसियन भाषा सीखने में लग गया। उसके बाद शोध कार्य के लिए दो वर्ष से भी कम समय बचा। लेकिन इसी बचे समय मेंने रात दिन मेहनत कर अपनी पी एच डी डिग्री प्राप्त कर वापस देहरादून आ गया ।

सन् 1971 में मुझे डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में पेट्रोलियम भू-विज्ञान विभाग प्रारंभ करने का आमंत्रण मिला जिसे मैंने स्वीकार किया और 1971 से 1974 तक प्रतिनियुक्ति पर पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और भू-विज्ञान विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। सन् 1974 में पुनः ओ एन जी सी में वापस आकर इराक सरकार के निमंत्रण पर वरिष्ठ गवेषण सलाहकार के रूप में सरकारी तेल कंपनी में तीन बर्ष कार्य किया। फिर भारत वापस लौट कर पुनः 1980 में इराक के सुलेमानियां विश्वविद्यालय के आग्रह पर तीन वर्ष के लिए डेप्युटेशन पर चला गया। सन् 1983 में पुनः वापस लौटने पर आइल इंडिया लिमिटेड दिल्ली में मुख्य तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य किया। वहीं से 31 मार्च 1995 में सेवानिवृत्त हुआ। 1 अप्रैल 1995 को ही एक ब्रिटिश तेल कंपनी में भू-वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में ज्वाइन किया और 2011 तक लगातार वहां पर कार्य करता रहा।

नई पीढ़ी के बच्चों को मेरा संदेश है कि जो भी कार्य करें, उसे पूरी मेहनत और लगन से करें बिना फल की इच्छा के,तो सफलता मिलेगी ही मगर असफलता से निराश न हों।

धर्म कर्म

सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादि हेतवे।
तापत्रय विनाशाय श्री कृष्णाय वयं नमः।।

श्री सोमनाथेश्वर विकास समिति (रजि० दिल्ली)
ग्राम पंचायत आदिग्राम फुलोरिया द्वारा

श्री रामदरबार मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा तथा
श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का
11 जून से 17 जून 2026 तक

श्रीमान श्री मृत्युंजय शास्त्री जी के आचार्यत्व तथा एकादश वेदपाठी ब्राहाणो द्वारा

श्री राम दरबार मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा

मुख्य यजमान: श्री नन्दकिशोर फुलोरिया, डॉ प्रफुल्ल फुलोरिया, श्री भारतनन्दन फुलोरिया एवं राजीव फुलोरिया, श्री गोपाल दत्त फुलोरिया (सपरिवार)

तथा

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ

कथावाचक: परम् श्रद्धेय श्री प्रदीप चन्द्र शास्त्री (भोला भाई जी)
मुख्य यजमान: श्री गोविन्द सिंह रावत एवं परिवार
सानिध्य : बाबा श्रीहिमांचल गिरि जी महाराज (श्रीसोमनाथेश्वर मन्दिर)
(विशेष– प्रतिमाह होने वाला सुन्दरकाण्ड पाठ (49वां) दिनांक 9 जून को बाबा श्रीहिमांचल गिरि जी के सानिध्य में सायं 3 बजे से शुरू होगा)

कार्यक्रम

दिनांक 11 जून 2026 (वृहस्पतिवार)

शोभा यात्रा ,कलश यात्रा .... प्रातः 9 बजे
वेदी पूजन, वेद पाठ .... प्रातः 11 बजे
श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ .... सायं 3 बजे से
आरती .... सायं 6 बजे

प्रतिदिन दैनिक पूजा दिनांक 12 जून (शुक्रवार) से

चतुर्वेद पाठ .... प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक (प्रतिदिन)
वेदी पूजन एवं रुद्राभिषेक .... प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक (प्रतिदिन)
श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ .... सायं 3 बजे से (प्रतिदिन)
आरती ....सायं 6 बजे (प्रतिदिन)

दिनांक 17 जून 2026 (बुधवार)

श्री राम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा , चतुर्वेद पारायण ,पूर्णाहुति एवं महायज्ञ............ प्रातः 9 बजे से
मेधावी छात्र–छात्रा पुरस्कार वितरण .... महायज्ञ के उपरान्त
भण्डारा .... दोपहर 12 बजे से हरि इच्छा तक

स्थान – श्रीसोमनाथेश्वर मंदिर निकट मासी ,अल्मोड़ा (उत्तराखंड)
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।
.... निवेदक
....

आमंत्रण पत्र

भोले बाबा का श्रृंगार

भूमियां मन्दिर मासी से कलश यात्रा द्वारा श्री राम दरबार स्थापना एवं श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

कलश यात्रा - झलकियां

राम परिवार मूर्ती प्राणप्रतिष्ठा
श्रीमद्भागवत कथा एवं चतुर्वेद पारायण
प्रदीप चंद्र शास्त्री
(भोला भाई जी)

महावीर

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ की झलकियां

श्री रामगंगा आरती

राम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना

समापन यज्ञ,पारायण और भंडारा

ग्रीष्मोत्सव 2026 का समापन क्रिकेट मैच से

फुलोरिया बन्धु एवं मित्र संगठन

अप्रैल माह की बैठक श्री श्याम चरण फुलोरिया के निवास पर

मई माह की बैठक श्रीमती सावित्री जोशी के निवास पर